

डॉ. जेफ़री हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 18, पुरातत्व और विभाजित राजशाही

© 2024 जेफ़री हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जेफ़री हडॉन और बाइबिल पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 18 है, विभाजित राजशाही का पुरातत्व।

ठीक है, हमने डेविड और सोलोमन के शासनकाल का पुरातत्व और इतिहास समाप्त कर लिया है।

और अब, हम उन घटनाओं और पुरातत्व की ओर मुड़ते हैं जो उनके शासनकाल के बाद घटित हुईं। और यह इज़राइल और यहूदा की विभाजित राजशाही का पुरातत्व है। जैसा कि हम बाइबिल के पाठ से याद करते हैं, रहूबियाम, जो सुलैमान का पुत्र और उत्तराधिकारी था, ने एक बेहतर शब्द की कमी के कारण, शेकेम की जगह पर सभी 12 जनजातियों के आदिवासी बुजुर्गों के साथ एक बड़ी बैठक की थी। केंद्रीकृत साइट।

उन्होंने बेहतर इलाज, कम कर और ताज के लिए कम काम की मांग की। और उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। और निःसन्देह, उन्होंने उस से कहा, हे दाऊद के घराने, और हे इस्राएल, तेरे डेरों के विषय में, और राज्य दो भागों में बंट गया।

दस गोत्रों ने उत्तर में यारोबाम का अनुसरण किया, और दो गोत्र दाऊद के राजा के प्रति वफादार थे, और यह उनके दोनों इतिहास के शेष समय तक बना रहा। हमने पहले एक अन्य प्रस्तुति में किंग्स की पुस्तक के धर्मशास्त्र के बारे में बात की थी। विभाजित राजशाही वास्तव में एक समानांतर इतिहास है जिसमें राजाओं की पुस्तक में एक इतिहास शामिल है, और इतिहास की पुस्तक में भी एक समानांतर इतिहास शामिल है।

इससे पहले कि हम इन पुस्तकों, इन राजाओं और बाइबिल के इतिहास के इस अत्यंत घटनापूर्ण काल के पुरातत्व को देखें, इन दोनों पुस्तकों के धर्मशास्त्र को समझना महत्वपूर्ण है। हमने राजाओं की पुस्तक के धर्मशास्त्र के बारे में बात की जो विलंबित या संचयी प्रतिशोध का धर्मशास्त्र है। और फिर, ऐसा कहा जा सकता है कि दादा के पापों का न्याय पोते के पापों के आधार पर किया जाएगा।

हालाँकि, इतिहास की पुस्तक का एक अलग धर्मशास्त्र है। इतिहास की पुस्तक में धर्मशास्त्र तत्काल प्रतिशोध का धर्मशास्त्र है। दूसरे शब्दों में, किसी पापपूर्ण कार्य या पापपूर्ण जीवन का निर्णय उस व्यक्ति पर पड़ता है और बहुत जल्दी आ जाता है।

मानव स्वभाव में, हम इस प्रकार के धर्मशास्त्र को अधिक पसंद करते हैं क्योंकि हम देखते हैं कि पाप का न्याय किया जाता है। कभी-कभी भगवान इस पद्धति का उपयोग करते हैं, कभी-कभी

वह दूसरे का उपयोग करते हैं। यूहन्ना अध्याय 9 में, यीशु ने सिलोम के कुंड में एक अंधे आदमी को ठीक किया, सिलोम के कुंड में अपनी आँखें धोई, और देखा।

प्रेरितों ने यीशु से पूछा, किसने पाप किया, इस आदमी ने या उसके माता-पिता ने? यीशु एक तीसरा धर्मशास्त्र प्रस्तुत करते हैं, और वे कहते हैं, न तो। यह प्रभु की महिमा के लिये किया गया था। और इसलिए ऐसे विभिन्न तरीके हैं जिनका उपयोग और चयन भगवान निर्णय और उनके संबंधित समाधानों में करते हैं।

लेकिन ये दो हैं जिन्हें पुराने नियम में दर्शाया गया है। तो, विलंबित प्रतिशोध या संचयी प्रतिशोध बनाम तत्काल प्रतिशोध। और जब हम इन इतिहासों को पढ़ते हैं तो यही विवरण या समझ हमें इन पुस्तकों में लानी होती है।

अब, हमने बताया कि राजाओं की पुस्तक निर्वासन में इस्राएल के बच्चों के लिए लिखी गई थी। और वे प्रश्न पूछ रहे हैं, और हमने सब कुछ खो दिया है। हमने अपना डेविडिक राजा खो दिया है, हमने अपना मंदिर खो दिया है, हमने अपनी ज़मीन खो दी है, हमने अपने घर खो दिए हैं।

क्या हुआ? यह पुस्तक उस प्रश्न का उत्तर देने के साथ-साथ उनके राष्ट्र का इतिहास प्रदान करने के लिए लिखी गई थी। इतिहास की पुस्तक और भी बाद में लिखी गई है। यह निर्वासन के बाद, पुनर्स्थापना की अवधि के दौरान, सिथ्योन में वापसी और फ़ारसी काल के दौरान लिखा गया है।

और यह एक अलग प्रश्न का उत्तर देता है। लोग वापस आ गए हैं, या कुछ लोग देश में वापस आ गए हैं। और वे कहते हैं, ठीक है, हमने अपना मंदिर फिर से बना लिया है।

यह उस पैमाने पर नहीं है जिस पैमाने पर यह सुलैमान के पास था, लेकिन इसका पुनर्निर्माण किया गया है। हम अपने घरों में वापस आ गए हैं। हम भूमि पर वापस आ गए हैं।

यरूशलेम पर पुनः कब्ज़ा हो गया है। लेकिन हमें अभी भी एक डेविडिक राजा की कमी महसूस हो रही है। और आगे क्या है? अब क्या करें? वह दाऊदकालीन शासक कब आ रहा है? तो, यही वह प्रश्न है, जिस पर इतिहास की पुस्तक फिर से विचार करती है।

और यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि हिब्रू बाइबिल में इतिहास की पुस्तक हिब्रू कैनन की आखिरी किताब है। और इसलिए, जब आप पुराने टेस्टामेंट से नए टेस्टामेंट की ओर मुड़ते हैं, हिब्रू से पढ़ते हुए, हिब्रू पाठ, आप इतिहास की किताब से फिर से मुड़ते हैं, उस परेशान करने वाले प्रश्न के साथ, वह खुला प्रश्न, हमें डेविडिक कौन या कब मिलता है राजा, मैथ्यू की पुस्तक तक, जो निश्चित रूप से, वंशावली से शुरू होती है, उन राजाओं से होते हुए यीशु मसीह के व्यक्तित्व तक जाती है। तो, यह पुरानी वाचा और नई वाचा के बीच एक बहुत शक्तिशाली पुल है।

ठीक है, तो हमने उस विभाजन के बारे में बात की, जो शकेम में जनजातियों के बीच हुआ था - दस उत्तरी जनजातियाँ और यहूदा और बिन्यामीन की जनजाति। बेशक, यह एक पाठ है। और रूबियाम बहुत कड़ी, बहुत भद्दी भाषा का प्रयोग करता है।

मेरी छोटी उंगली मेरे पिता की कमर से भी मोटी है। और, निःसंदेह, वहां की व्यंजना कामुक और बहुत ही भद्दी है। मैं इसे और भी भारी बना दूंगा।

मेरे पिता ने तुम पर भारी जूआ डाल दिया। मैं इसे और भी भारी बना दूंगा. मेरे पिता ने तुम्हें कोड़ों से पीटा।

मैं तुम्हें बिच्छुओं से मार डालूँगा। तो , बहुत खराब निर्णय। उसने गलत सलाहकारों की बात मानी और उसने अपना राज्य खो दिया।

अब, फिर से, उसके पूर्वजों के पापों के कारण भविष्यवाणी की गई थी। और यह उसके शासनकाल में हुआ. और इसलिए, आपके पास इन दोनों देशों के बीच का अंतर है।

सबसे पहले, वे एक दूसरे के प्रति विरोधी हैं। और इजराइल और यहूदा के बीच उत्तरी सीमा निर्धारित करने की कोशिश में एक सीमा युद्ध चल रहा है। लेकिन बाद में, विशेषकर 8वीं शताब्दी में, बाद में 8वीं शताब्दी में, दोनों सहयोगी बन गये।

और फिर, हिजकिय्याह और योशिय्याह, उनके सुधार वास्तव में उत्तर में जाते हैं, और शायद सुलह और एकीकरण की आशा या लालसा है। ऐसा कभी नहीं होता, भले ही योशिय्याह के शासनकाल के दौरान, वहाँ एक प्रकार की आशा की किरण थी, और पूरे देश में फसह मनाया जाता था। इन दोनों राज्यों के बीच फूट या विभाजन के बाद जो पहली बड़ी ऐतिहासिक घटना घटी, वह छापामारी थी। आप आक्रमण कह सकते हैं, लेकिन यह वास्तव में फिरौन शीशक का आक्रमण था।

शीशक 22वें लीबियाई राजवंश का पहला फिरौन था। वह मिस्र का नहीं, लीबिया का था। और उसने कनान या लेवंत की ओर एक सेना भेजी और इस्राएल और यहूदा दोनों पर आक्रमण किया।

और यह दिलचस्प है, हमारे पास एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ है, ऐसा कहा जा सकता है, जो कि मिस्र में कर्णक की दीवार पर ये नक्काशी या ये राहतें हैं जो उन सभी स्थलों की याद दिलाती हैं जिन पर शीशक या शिशांक ने हमला किया और विजय प्राप्त की। और ये, निश्चित रूप से, उस स्थान के नाम के नीचे एक कार्टूचे के साथ बंधे हुए बंदियों द्वारा चित्रित किए गए हैं। जैसा कि आप देख सकते हैं, उनमें से बहुत से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं, कभी-कभी कॉप्टिक ईसाइयों द्वारा जिन्होंने किसी प्रकार का पाउडर बनाने के लिए पत्थर को खुरच दिया और बदले में, शिलालेख को नष्ट कर दिया।

लेकिन उनका अध्ययन विभिन्न विद्वानों द्वारा किया गया है, बेंजामिन मजार और केए किचन दोनों ने शिलालेखों या बंधे हुए बंदियों के इस पैनल पर अध्ययन किया है। आपके पास यहां लगभग 180 शहरों और किलों की एक भौगोलिक सूची है, जिन्हें शीशक ने इजराइल और यहूदा पर अपने हमले के दौरान जीत लिया था या कब्जा कर लिया था। अब, क्या वे किसी क्रम में हैं? और मजार ने, विशेष रूप से, तर्क दिया कि ये एक प्रकार के बूस्ट्रोफेडन में हैं।

मुझे नाम याद नहीं आ रहा, लेकिन यह आगे-पीछे, दाएं से बाएं, बाएं से दाएं चलता रहता है। और जैसा कि मिस्री पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति जानता है, मिस्री किसी भी तरह से पढ़ी जा सकती है, ऊपर, नीचे, बाएँ या दाएँ। और इसलिए, उन्होंने बनाने की कोशिश की है; विद्वानों ने इस सूची से एक प्रकार का यात्रा कार्यक्रम, चरण-दर-चरण यात्रा कार्यक्रम बनाने की कोशिश की है, और सीमित सफलता के साथ।

अब, शीशक की सेना के कुछ पंख एक ओर चले गए, और कुछ दूसरी ओर चले गए। हमें उम्मीद है कि हम इसे बाद की स्लाइड में खोलेंगे। लेकिन शीशक बहुत शक्तिशाली फिरौन नहीं था।

पुनः, यह तीसरा मध्यवर्ती काल था और मिस्र आम तौर पर कमज़ोर था। शीशक के उत्तराधिकारी भी निर्बल थे। और फिर, निस्संदेह, उसके बाद मिस्र के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग फिरौन सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

तो, यह कनान में जाने वाली 18वीं राजवंश की शक्तिशाली मिस्र सेना नहीं थी। यह संभवतः बहुत कमज़ोर शक्ति थी। हालाँकि, इस समय इस्राएल और यहूदा कमज़ोर थे, और शीशक यह जानता था।

यह भी दिलचस्प है, कि यारोबाम, उत्तरी साम्राज्य का पहला राजा, वास्तव में सुलैमान से भाग गया और नीचे चला गया और सुलैमान की मृत्यु तक मिस्र के दरबार में था। तो, इस घटना के पीछे शायद बहुत साज़िश है। अब, एंड्रयूज में मेरे प्रोफेसर, डॉ. रान्देल योंकर, का तर्क है कि वास्तव में दो अलग-अलग अभियान हैं, एक यहूदा के खिलाफ और एक इज़राइल के खिलाफ।

वह पाठ में एक नहीं बल्कि दो अभियान पढ़ता है। तो यह विचार करने लायक एक और दिलचस्प संभावना है। जितना हम समझ सकते हैं, शीशक की सेना मिस्र से सिनाई के पार गाजा, गेज़ेर, यरूशलेम और फिर उत्तरी साम्राज्य तक आई।

परन्तु एक अन्य दल ने दक्षिण में आकर नेगेव पर आक्रमण कर दिया। वहाँ क्यों? नेगेव इतना महत्वपूर्ण क्यों था? खैर, फिर से, नेगेव वह क्षेत्र था जहाँ कारवां अरब से भूमध्य सागर तक गाजा और अश्कलोन के बंदरगाहों तक जाते थे और इसी तरह। इसलिए, इस क्षेत्र पर नियंत्रण महत्वपूर्ण रहा होगा और शीशक शायद लूट या अन्य कारणों की तलाश में था जिसके बारे में हम आज तक नहीं जानते हैं।

वैसे भी, यह जानना भी दिलचस्प है कि 22वें राजवंश में, और एलन मिलार्ड ने इस पर ध्यान देते हुए एक लेख लिखा है, शीशक के उत्तराधिकारियों की कब्रें सोने और खजाने से बहुत समृद्ध थीं, खासकर 22वें राजवंश, तीसरे मध्यवर्ती काल के फिरौन के लिए। वह सारी लूट कहाँ से आई? एलन मिलार्ड ने जेरूसलम मंदिर का सुझाव दिया है, और संभवतः शीशक का मुख्य आकर्षण सोलोमन के मंदिर से लूट प्राप्त करना था, और संभवतः यहीं पर उनमें से कुछ बाद के मिस्र के मकबरों में समाप्त हो गए। अब, जब शिकागो विश्वविद्यालय, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, ने मेगिदो में काम किया, तो उन्हें शीशक के नाम के साथ एक स्टेला का टुकड़ा मिला।

तो, हमारे पास, फिर से, मेगिदो में शीशक की उपस्थिति के पुख्ता पुरातात्विक साक्ष्य हैं। अभी हाल ही में, टॉम लेवी को अरवाह के नीचे खिरबेट-एन-नाहास में शीशक की एक स्कारब सील मिली। तो, मिस्रवासियों का यह समूह अराद तक चला गया और इसी तरह नेगेव बस्तियों में जो सुलैमान और शायद डेविड ने बनाई, वे फिनान में तांबे के खनन क्षेत्रों में भी चले गए।

और यदि वह स्कारब शीशक के सैनिकों द्वारा जमा किया गया था, तो इससे संकेत मिलता है कि वह भी वहीं था। अब, स्थलाकृतिक सूची क्षतिग्रस्त हो गई है, और उस पर ऐसे स्थान हैं जिन्हें हम पढ़ नहीं सकते हैं, जिनमें से एक यरूशलेम है, लेकिन हम बाइबिल के पाठ से यरूशलेम को जानते हैं। और बाइबिल के पाठ और कर्णक मंदिर की स्थलाकृतिक सूची छापे के विभिन्न हिस्सों में अंतर दिखाती प्रतीत होती है।

और यह, फिर से, संभवतः उन बिंदुओं में से एक है जो योंकर तब उठाते हैं जब वह केवल एक ही नहीं बल्कि दो अभियानों या दो छापों के लिए तर्क देते हैं। इतिहास की पुस्तक में, राजाओं की पुस्तक में नहीं, और यह एक महत्वपूर्ण बिंदु है। फिर, इतिहास बाद में है, लेकिन इतिहास की पुस्तक उन शहरों की एक सूची संरक्षित करती है जिन्हें रहूबियाम ने किलेबंद किया था।

ये कई अध्ययनों का विषय भी रहे हैं, जिसमें रहूबियाम के राज्य की सीमा, उसकी कार्य योजना क्या थी और ये शहर क्यों थे, यह निर्धारित करने का प्रयास किया गया है। आपने यह भी देखा है कि यदि ये शहर किसी प्रकार की सीमा का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो आपको पश्चिम से एक सीमा मिलेगी जो पूर्व की ओर चली गई है। अब तटीय मैदान पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है।

वे शेफेला में वापस आ गए हैं। इनमें से कुछ शहर उन प्रसिद्ध घाटियों की रक्षा करते हैं जो तटीय मैदान से यहूदा के पहाड़ी देश तक निकलती हैं। और फिर, निःसंदेह, पूर्व में, आपको ज़िप और तेकोआ मिलेंगे, जो मृत सागर से ऊपर की सड़कों की रक्षा करते हैं।

हालाँकि, फिर भी, इसके विभिन्न सुझाव और व्याख्याएँ आई हैं। कुछ विद्वान, और मुझे लगता है कि उनकी बात यहां सही है, उन्होंने इसे एक प्रकार के आंतरिक नियंत्रण तंत्र के रूप में देखा। दूसरे शब्दों में, रहूबियाम बाहर से नहीं बल्कि भीतर से विद्रोह को लेकर चिंतित था, और इसलिए उसने राज्य को स्थिर करने के लिए विश्वसनीय सलाहकारों, बेटों और अपने कर्मचारियों को इन शहरों और स्थलों का प्रभारी नियुक्त किया।

अब, जाहिर तौर पर, सीमावर्ती क्षेत्रों में पहले की सुरक्षा और किले हो सकते थे। एक दिलचस्प बात यह भी देखिए कि उत्तर की ओर कुछ भी नहीं है। क्या ऐसा हो सकता है कि रहूबियाम अभी भी उत्तर के साथ मेल-मिलाप की आशा कर रहा था, और इसलिए वह उसे पर्याप्त रूप से मजबूत करने में विफल रहा? यहां सभी प्रकार के प्रश्न हैं।

और, निःसंदेह, एक अन्य प्रश्न भी, इतिहास के पाठ के कारण, पाठ की ऐतिहासिकता का तथ्य है। क्या यह सचमुच रहूबियाम का है? कुछ विद्वानों का मानना है कि यह मामला नहीं है और यह बाद का है। यह बाद के काल को दर्शाता है।

बेशक, ये सभी प्रश्न हैं, जिन पर साहित्य में काम किया गया है। लेकिन, पुरातत्व की दृष्टि से, इन स्थलों के साथ भी मिश्रित स्थिति रही है। बीट ज़ोर की खुदाई 1930, 1950 के दशक में की गई थी, और वास्तव में वहाँ कुछ भी नहीं है।

हेलेनिस्टिक गढ़, हेब्रोन, वास्तव में खुदाई नहीं की जा सकती। हेब्रोन का क्षेत्र एक इस्लामी तीर्थस्थल द्वारा कवर किया गया है। लैकिश ने पाया है, वास्तव में नहीं पाया है। लाकीश की शुरुआती खुदाई में 10^{वीं} सदी की खोज के अनुरूप बहुत कुछ नहीं मिला।

पिछले 10 वर्षों में जो नये उत्खनन किये गये हैं। वास्तव में, उन्हें रहूबियाम के समय का एक दृढ़ नगर, एक दीवारों से घिरा नगर मिला। तो यह बहुत रोमांचक है, स्तर 5। एजेकैया के पास शिखर पर एक किला था, जिसकी मैकलेस्टर ने जांच की।

और उसकी तारीख, फिर से, शायद बहुत देर से, फ़ारसी या उसके बाद की अवधि की है। इसलिए, दुर्भाग्य से, ऐसी बहुत सारी साइटें नहीं हैं जिनकी या तो खुदाई की गई हो या रेहोबाम के समय के अवशेष या किलेबंदी दिखाई गई हो। ऐसा हो सकता था कि रहूबियाम ने केवल प्रशासनिक केंद्र को मजबूत किया हो, इन स्थानों पर एक तरह की आशंकाएं पैदा की हों, और वहां सैनिकों को तैनात किया हो, निश्चित रूप से, आप जानते हैं, नियंत्रण बनाए रखने के लिए।

हम बस यह नहीं जानते कि वे वास्तव में क्या दर्शाते हैं। और फिर एक और सवाल, इनके बारे में सवाल लाजिमी हैं। क्या इनका निर्माण शीशक से पहले हुआ था? क्या इनका निर्माण बाद में हुआ था? और इसलिए, जरूरी नहीं है, यह जरूरी नहीं है कि शीशक के अभियान की रिपोर्ट और इन किलों की सूची इतिहास में कालानुक्रमिक क्रम में हो।

इस बीच, उत्तरी राज्य में, रहूबियाम फिर से अपनी शक्ति को मजबूत कर रहा है और उसकी पहली राजधानी है, या शेकेम में राजधानी है, जो एक तार्किक विकल्प है, फिर से, उसे पहाड़ी देश की बेताज रानी के रूप में जाना जाता है, और यह इज़राइल का हो जाता है पहली राजधानी. इसके पास तट और पूर्व की ओर, जॉर्डन घाटी तक अच्छे रास्ते हैं। और, निःसंदेह, इसका इज़राइली लोगों के साथ, पास में एबाल और गेरिज़िम के साथ, और पितृसत्तात्मक संबंधों के साथ बहुत गहरा, गहरा बाइबिल संबंध और संबंध है।

तो, यह एक आदर्श विकल्प है, लेकिन यह इस तरह नहीं रहता। बाद में, राजाओं ने राजधानी को पूर्व और उत्तर की ओर वाडी फारिया की शुरुआत में तिरज़ा के स्थान पर स्थानांतरित कर दिया, जो सीधे जॉर्डन घाटी तक जाती है। तिरज़ा का निर्माण हुआ और यह थोड़े समय के लिए राजधानी है।

फिर, जब ओमरी राजवंश शुरू हुआ, ओम्री ने शेमेर की पहाड़ी खरीदी, और सामरिया का निर्माण किया गया, जो उत्तरी राज्य की अंतिम राजधानी बन गई। हमने पहले बेथेल की जगह के बारे में बात की थी और, फिर से, यारोबाम ने, लोगों को यरूशलेम में पूजा करने से रोकने के लिए और उस संबंध को तोड़ने की कोशिश की, पवित्र शहर के साथ धार्मिक संबंध, उस उद्देश्य की

पूर्ति के लिए दो तीर्थस्थल, दो अभयारण्य बनाए। एक डैन में, जिसे ढूंढ लिया गया है और आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है, जिसे आप ऊपर दाईं ओर देख सकते हैं।

बेथेल में दूसरा, जो अभी भी बेथेल के उत्तर में माउंट अराट्टास पर खंडहर में है, की खुदाई नहीं की गई है, हालांकि मुझे लगता है कि बाद में जल्द ही इसकी खुदाई की जाएगी। इसलिए, ये फिर से, इस्राएलियों के लिए अभयारण्यों के रूप में काम करते हैं और उन्हें यहूदा में जाने और उन पर्वों और त्योहारों को मनाने से रोकते हैं जो यहूदा के लोग करते हैं। आप यहां कुछ खोजे गए सामान, कुछ अगरबत्ती के फावड़े और एक राजदंड का सिर देख सकते हैं जो अब्राहम बेरन को ऊंचे स्थान पर मिला था।

बेरन को सबसे अच्छे उत्खननकर्ता के रूप में नहीं जाना जाता था, लेकिन उन्हें इस साइट पर बहुत ही शानदार खोज मिली थी, और यह लगातार आश्चर्यचकित कर रहा है, जैसा कि हम बोल रहे हैं, इसे प्रकाशित किया जा रहा है। ठीक है, हमने उत्तरी साम्राज्य की राजधानियों के बारे में बात की, और यह राजधानी है, सामरिया। हमने उस पॉवरपॉइंट व्याख्यान में पुरातत्व के इतिहास के बारे में थोड़ा उल्लेख किया था, कि इसकी खुदाई सबसे पहले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के जॉर्ज रीस्नर, रीस्नर द्वारा की गई थी, और यह उस दिन के लिए अच्छी तरह से किया गया था।

दुर्भाग्य से, लौह युग का गढ़, सामरिया का लौह युग का शाही क्वार्टर, बहुत ही खराब संरक्षित स्थिति में था। बाद के सेबस्टिया, शास्त्रीय स्तरों ने उनमें से अधिकांश को नष्ट कर दिया, लेकिन रीस्नर और उसके बाद के उत्खननकर्ताओं के लिए धन्यवाद, इन प्रारंभिक स्तरों से बहुत कुछ प्राप्त किया गया था। आप वहां पाई जाने वाली सुंदर हेडर-स्ट्रेचर चिनाई, महल की कुछ दीवारें और निश्चित रूप से, साइट को दूर से देख सकते हैं।

और फिर, जब आप वहां जाते हैं, तो जो कुछ आप देखते हैं वह बाद के ग्रीको-रोमन खंडहर हैं। यह रोमन शताब्दियों के लिए एक रोमन सेवानिवृत्ति शहर था, और दुर्भाग्य से, पहले के अवशेष कम हैं। रीस्नर ने पाया, जैसा कि हमने उल्लेख किया है, सामरिया ओस्ट्राका, जो रसीदों की एक श्रृंखला है जो सामरिया के आसपास मनश्शे के आसपास के प्रशासनिक क्षेत्रों और परिवारों और कुलों के क्षेत्रों को दर्शाती है, और मनश्शे के कुलों और उनके करधान के लिए अच्छी पूरक जानकारी देती है। और उस समय के दौरान क्या नहीं हुआ, या क्या मौजूद था।

मैं प्रसिद्ध सामरिया मृदभांड की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं, और यह वास्तव में, जाहू राजवंश के तहत 8वीं शताब्दी की शुरुआत में अपने चरम पर पहुंच गया था। अविश्वसनीय रूप से खूबसूरती से निर्मित मिट्टी के बर्तन, शानदार रंग और बिल्कुल शानदार गुणवत्ता जो पहले आई लगभग किसी भी चीज़ से मेल खाती है। यह दुर्लभ मिट्टी के बर्तन हैं।

यह सामरिया और कुछ अन्य स्थलों में पाया गया है, संभवतः अभिजात वर्ग द्वारा उपयोग किया जाता था, शाही परिवार द्वारा उपयोग किया जाता था, और सामरिया में समाज के उच्च वर्ग द्वारा उपयोग किया जाता था। हमें जॉर्डन में कुछ सामरिया वेयर शेर्ड खोजने की आशा और लालसा है क्योंकि हम जानते हैं कि ओमराइड्स और जेहू राजवंश दोनों ने कम से कम अपने कुछ समय और शक्ति के लिए जॉर्डन, जॉर्डन के कुछ हिस्सों को नियंत्रित किया था, लेकिन अभी तक मुझे

विश्वास नहीं है जॉर्डन में हमारे अभियानों को कुछ ऐसे टुकड़े मिले हैं जिन्हें हम सामरिया वेयर के रूप में पहचान सकते हैं। उम्मीद है, किसी दिन, हमें कुछ टुकड़े मिलेंगे, लेकिन यह आम नहीं है, लेकिन यह सामरिया में पाया जाता है, और यह लौह युग के सबसे खूबसूरत मिट्टी के बर्तनों में से कुछ है।

यह सामरिया में लौह युग के शाही गढ़ को दर्शाता है जैसा कि यह जाहू राजवंश के दौरान खड़ा था। बाद के अवशेषों के नीचे, और आप यहां इस क्षेत्र को देख सकते हैं, दीवारों के निर्माण के टुकड़े और जो कुछ भी खुला नहीं था, उनमें से अधिकांश बाद के निर्माण द्वारा नष्ट कर दिए गए हैं। हमने इस्राएल की विजय के दौरान हासोर के बारे में बात की।

बेशक, सोलोमन के तहत इसका महत्व जारी रहा, लेकिन यहां सोलोमन की दीवार और गेट को पूरे एक्रोपोलिस, हाज़ोर के 20 एकड़ के एक्रोपोलिस तक विस्तारित किया गया था, और यह उत्तरी साम्राज्य के लिए विभाजित राजशाही के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थल बन गया। इसे 732 में टिग्लथ-पिलेसेर द्वारा नष्ट कर दिया गया था, लेकिन उस समय तक, यह फिर से इज़राइल के सबसे महत्वपूर्ण शहरों में से एक था। जब यदीन ने 1950 और 60 के दशक में इसकी खुदाई की, तो उन्होंने यहां साइट के उत्तरी छोर पर स्पष्ट रूप से एक उथले अवसाद को देखा, और उन्होंने अपने उत्खननकर्ताओं को नीचे खोदने के लिए कहा और, देखो और देखो, उन्हें पानी की व्यवस्था मिली।

एक सीढ़ी नीचे और फिर पानी की मेज़ तक। वहाँ अविश्वसनीय खोज है, और निश्चित रूप से, यह त्रिपक्षीय भंडारण भवनों में से एक है। क्या यह भंडारण भवन था या अस्तबल? फिर, वह बहस आज भी जारी है।

हमने याबीन सोलोमन के शासनकाल की चर्चा के दौरान मेगिदो का उल्लेख किया और, फिर से, मेगिदो विभाजित राजशाही के दौरान भी जारी रहा। यह यहां साइट पर एक मॉडल है जो विभाजित राजशाही की अवधि के दौरान सामान्य इनसेट-ऑफसेट दीवारों और इन सभी भंडारणों को दर्शाता है। और, निःसंदेह, उनमें से एक का आंशिक रूप से यहाँ आगंतुकों के लिए पुनर्निर्माण किया गया था।

खूबसूरती से किया गया. मेगिदो की विशेषताएं. यह एक पुराना महल है, संभवतः डेविड या सोलोमन के समय का, पैलेस 6000, जो अभी प्रकाशित हुआ था।

यदीन ने वास्तव में इसकी खुदाई की थी, और हिब्रू विश्वविद्यालय में उनके उत्तराधिकारियों में से एक ने इसे प्रकाशित किया था। और आप फिर से एक और विस्तृत जल प्रणाली देख सकते हैं। हैत्सर पानी की मेज़ के ठीक नीचे चला गया, एक सीढ़ी, यह नीचे की ओर गई, एक सीढ़ी नीचे एक सुरंग तक गई, और सुरंग चट्टान के माध्यम से झरने तक कट गई, जो शहर के बाहर थी और जाहिर तौर पर बाइबिल काल के दौरान छिपी हुई थी।

इसके पहले के रूप में वास्तव में एक गैलरी का उपयोग किया जाता था जो जमीन के ऊपर होती थी और जल प्रणाली तक जाती थी, लेकिन यह संभवतः अहाब या विभाजित राज्य के राजाओं में

से एक द्वारा किया गया था। 1990 में यिज्रेल में अहाब या ओमराइड महल में खुदाई शुरू हुई। यह मेगिदो के पूर्व में है, और हमने पहले यिज्रेल के बारे में संक्षेप में बात की थी।

दुर्भाग्य से, और फिर, पुरातत्व अपनी सीमाएं दिखाता है, साइट बहुत खराब स्थिति में थी और बहुत खराब तरीके से संरक्षित थी। वे यहां कुछ टावरों को पहचानने में सक्षम थे और जो स्पष्ट रूप से एक कैसिमेट दीवार के टुकड़े और एक बहुत खराब संरक्षित प्रवेश द्वार थे। बाकी सभी चीजों की या तो खुदाई नहीं की गई या बाद में दोबारा कब्जे से उन्हें नष्ट कर दिया गया।

आसपास के क्षेत्र में खुदाई जारी है और उन्हें यहां एक बहुत व्यापक वाइन प्रेस मिला है, जो चट्टान में काटा गया है, और मुझे लगता है कि हम राजाओं की किताब में उस महत्वपूर्ण, बहुत दुखद कहानी से नाबोथ के अंगूर के बगीचे के हिस्से को देख रहे हैं। ठीक है, इज़राइल और यहूदा साम्राज्य के दौरान स्मारकीय कला एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। स्मारकीय कलाओं में सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण वे थीं जिन्हें वॉल्यूट कैपिटल या प्रोटो- एओलिक , प्रोटो- आयनिक कैपिटल कहा जाता है।

और इनमें से सबसे पहले पियरे विसेंट को 20वीं सदी की शुरुआत, 1909, 1911 में उस पागल पागल मोंटेग पार्कर की खुदाई में कहीं मिले थे। मैं तारीखें भूल जाता हूं। और हमारी जानकारी के अनुसार इसकी कभी भी तस्वीर नहीं खींची गई थी, बल्कि विसेंट द्वारा इसका वर्णन किया गया था।

और उसी समय, शूमाकर को मेगिदो में एक प्रोटो- एओलिक या वॉल्यूट राजधानी मिली। अब इसके बाद, वे कई साइटों पर पाए गए हैं। केन्यन को यरूशलेम में एक मिला।

वे सामरिया में पाए गए हैं। वे रमत राचेल में पाए गए हैं, जो यरूशलेम के दक्षिण में है, जो फिर से यहूदा का एक द्वितीयक महल है। और इनमें से दो हासोर में।

विभिन्न प्रकार हैं। यह उत्तरी संस्करण है जो दर्शाता है कि हासोर में पाए गए थे। यह जेरूसलम और रमत राचेल में पाया जाने वाला दक्षिणी संस्करण है।

इससे भी अधिक, वॉल्यूट राजधानियाँ अम्मान में पाई गई हैं। तो, अम्मोनियों ने, फिर से, इसके एक रूपांतर का उपयोग किया, साथ ही मोआबियों ने भी। मोआबियों की राजधानियाँ करक के आसपास और खिरबेट अल- मुदयना , रेगिस्तान में मोआब के किले, रेगिस्तानी राजमार्ग के पास पाई गई हैं।

संभवतः एक सीमावर्ती किला। तो, और मैं भी, अन्य स्थानों पर भी कुंडलित राजधानियाँ पाई गई हैं। यह यहाँ एक बहुत ही दिलचस्प खोज है, एक हालिया खोज, एक वुल्फ कैपिटल, शायद द्वितीयक उपयोग में, एक गुफा में, रेफैम घाटी में एक जल चैनल का हिस्सा।

और मेरा मानना है कि यह रमत राचेल में पाई गई राजधानियों से संबंधित है क्योंकि मेरी राय में, यह उनके शासनकाल के दौरान डेविडिक राजाओं की शाही संपत्ति थी क्योंकि वह उनकी पैतृक

भूमि थी। और मैंने इसे एक लेख में लिखा है। लेकिन, ये हैं, ये इज़राइल और यहूदा के राज्यों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

फिर, यह मेगिदो से एक है। आप उसका बड़ा आकार देख सकते हैं। कोई दोगला है, कोई एकमुखी है।

यह यहाँ एक-मुखी है। उसके पार के लिंटेल का पुनर्निर्माण इज़राइल संग्रहालय में किया गया है। जिस व्यक्ति ने इन पर अपना शोध प्रबंध लिखा था, वह यिगल शिलोह था, जो ऊपरी दाहिनी ओर के सज्जन व्यक्ति थे, और उन्होंने 70 के दशक के अंत में डेविड शहर की खुदाई की, दुर्भाग्यवश, 1987 में कैंसर से उनकी मृत्यु हो गई।

तो, अधिक स्मारकीय कला ये खिड़की के छज्जे हैं। और ये प्रतिलिपि बालुस्ट्रेड कहीं और पाए जाते हैं, जैसे कि निमरुद में। आप वहां हाथीदांत देख सकते हैं।

लेकिन वे इज़राइल में रामत राचेल में पाए जाते हैं, और खंडित, या कम से कम एक, डेविड के शहर महल से आए थे। तो, फिर से, यह एक स्मारकीय कला है जिसका उपयोग यहूदा और संभवतः इज़राइल के राजाओं द्वारा भी किया जाता था। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जब ये रामत राचेल में पाए गए, तो उन्हें फिर से एक साथ जोड़ दिया गया।

उनके टुकड़े गायब हैं, लेकिन उनका पुनर्निर्माण किया जा सकता है। उन पर लाल रंग के टुकड़े थे, और यिर्मयाह यहूदा के राजा के बारे में बात करता है कि वह अपने महल के कुछ हिस्सों को लाल रंग से रंग रहा है। तो, हमारे पास यिर्मयाह और रामत राचेल की खोज के बीच एक सुंदर संबंध है।

यहूदा की एक और आकर्षक कलाकृति स्तंभ मूर्तियाँ हैं, जो मूल रूप से विशेष रूप से प्राचीन यहूदा में पाई जाती हैं। रेज़ क्लेटर ने अपना प्रमुख अध्ययन इन्हीं पर किया।

क्या वे प्रजनन क्षमता की मूर्तियाँ हैं? फिर, स्तंभ, पेट के नीचे शरीर का कोई विवरण नहीं है। शरीर का ऊपरी भाग साँचे में ढाला गया है। आमतौर पर महिला अपने स्तनों को पकड़े रहती है।

कभी-कभी, वे आकार में अतिरंजित होते हैं, इसलिए ऐसा लगता है कि यह प्रजनन क्षमता का प्रतीक है। कभी-कभी, उनके सिर पक्षी-प्रकार के होते हैं, या शायद केवल स्टाइल वाले, बनाने में आसान और उत्पादित सिर होते हैं। और वे, फिर से, यहूदा की सीमाओं के भीतर पाए जाते हैं, वास्तव में बाहर नहीं पाए जाते हैं।

तो, ये संकेतकों में से एक हैं। यदि आपके पास कोई सीमा स्थल है और आपको इनमें से बहुत कुछ मिलता है, तो, संभवतः आपके पास एक बड़ी यहूदी आबादी है। यह संभवतः यहूदी आधिपत्य के अधीन है।

क्या यह कनानी देवी अशोरा का संस्करण है? ऐसा भी हो सकता है. तो यह एक प्रकार की समन्वयवादी मूर्ति है। हम बिल्कुल नहीं जानते, लेकिन लौह युग के दौरान यहूदा में वे बहुत आम थे।

कटोरे, या कटोरे की पूजा, फिर से, इज़राइल और यहूदा में एक और विशेषता या रूपांकन है। निस्संदेह, वे दो कटोरे जो यारोबाम ने दान और बेतेल में बनवाए थे। यह छोटा, खूबसूरती से तैयार किया गया कांसे का कटोरा उत्तरी इज़राइल के पहाड़ी इलाके में पाया गया था, जो सतह पर बिल्कुल बारीक था।

निःसंदेह, अशकलोन की खुदाई में यह गोवंश अपने छोटे से घर या खलिहान सहित पाया गया। इसकी एक और तस्वीर यहां है. और, निःसंदेह, एपिस कटोरा, मिस्री एपिस कटोरा।

कुंटिलेट में मिला है अजरुद का भी यही मूल भाव है। तो, दिलचस्प बात यह है कि यहाँ संबंध संभवतः समन्वयवाद है, कनानी धर्म भगवान की पूजा के साथ मिश्रित है। सामरिया के दूसरे अभियान में, क्रोफ़्ट और कई सहयोगियों, एक ब्रिटिश-इज़राइली अभियान या यहूदी अभियान, को हाथीदांत का एक भंडार मिला।

और, यदि आपको याद हो, अमोस, फिर से, सामरिया में कुलीन वर्ग या राजघराने के बारे में बहुत आलोचनात्मक ढंग से लिखता है। आप हाथी दांत से सजे बिस्तरों पर लेटे हैं और अपने सोफों पर आराम कर रहे हैं। तुम अच्छे-अच्छे मेमनों और पाले हुए बछड़ों का भोजन करते हो।

और ये पाए गए. इनमें से कुछ जड़े जो फर्नीचर में दीवार पैनलों में लगाए गए थे, सामरिया में पाए गए थे। और इज़राइली कला के सुंदर उदाहरण, फिर से, फ़ीनिशिया, यानी ईज़ेबेल और उसके जैसे लोगों से काफी प्रभावित हैं, साथ ही आप मिस्र के मजबूत प्रभावों को भी देख सकते हैं।

फिर, खिड़की पर एक महिला की तस्वीर। और आपके पास यहां एक दिलचस्प ऐतिहासिक घटना है जब जेहू ने अपना तख्तापलट शुरू किया, ओमराइड्स को उखाड़ फेंका। वह पित्रैल की ओर सरपट दौड़ता है, और ईज़ेबेल, जो इस समय काफी बूढ़ी होगी, अपना श्रृंगार करती है, अपने बालों को व्यवस्थित करती है, और खिड़की से बाहर देखती है।

और आपके पास खिड़की पर एक महिला का यह रूप है, जो शायद किसी कामुक, वेश्या या कुछ और का प्रतिनिधित्व कर रही है। लेकिन इज़ेबेल उस तैयारी से गुज़री लेकिन उसे नीचे फेंक दिया गया और उसकी मौत हो गई। इससे पहले, न्यायाधीशों की पुस्तक में, आपने हासोर की महिलाओं को सीसरा के लौटने की प्रतीक्षा करते हुए पाया है।

और उसकी माँ और उसका परिवार। और आपको कविता में डेबोरा का यह सुंदर गीत फिर से मिल गया है। सीसरा की माता जाली के पीछे से चिल्लाकर कहती है, इस रथ को आने में इतनी देर क्यों हुई? उसके रथों की गड़गड़ाहट में देरी क्यों हो रही है? खैर, वे कभी नहीं पहुंचेंगे।

वह न केवल पराजित हुआ बल्कि मारा गया। तो, यह वहां एक दिलचस्प रूपांकन है। ठीक है, प्रतिमा विज्ञान, निश्चित रूप से, छवियाँ रखने की आज्ञाओं के विरुद्ध है, लेकिन फिर भी उनका उपयोग किया गया।

यहां सबसे प्रसिद्ध यह छवि है, वह मुहर जो शूमाकर को मेगिदो में मिली थी। दुर्भाग्य से हार गया। उन्होंने इसकी साँचे बनाई, लेकिन बाद में यह खो गया।

आशा है, किसी दिन, हम कहीं न कहीं पहुँचेंगे। यह यारोबाम के सेवक शेमा का है। अब प्रश्न यह था कि यह यारोबाम पहला है या दूसरा? सबसे अधिक संभावना, दूसरा.

बहुत अधिक समृद्ध और राजा के रूप में स्थापित। दहाड़ते हुए शेर का सुंदर चित्रण. तो, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

हाल ही में मिली एक मुहर, हनान से संबंधित एक धनुषधारी की एक सुंदर छवि, यही कहती है। हम बाद में शाही मुहरों, रोसेट सील और लैमेलिक सील के बारे में अधिक बात करेंगे। लेकिन आपके पास मुहरों की ये सभी अलग-अलग शैलियाँ हैं, कुछ में मुर्गे के साथ, यहाँ एक रोसेट के साथ एक सुंदर वीणा, और शहर के एक गवर्नर, ज़ारहेयर, जिसका यहाँ उल्लेख किया गया है, और फिर से, शीर्ष पर शाही मुहरें हैं। .

बेशक, यह मुहर कथित तौर पर इज़ेबेल की है। दुर्भाग्य से, यह अप्रमाणित है, इसलिए विद्वान प्रामाणिकता का दावा करने में बहुत झिझकते हैं।

लेकिन इससे आपको बस यह पता चलता है कि प्राचीन इज़राइली और यहूदी साम्राज्यों में कुछ प्रतीकात्मकता कैसी थी। बहुत, बहुत प्रसिद्ध कोल्ट स्टैंड, फिर से, चीनी मिट्टी या मिट्टी से बना है, जिसे 1968 में तन्नाच में पॉल लैप द्वारा खोजा गया था। दसवीं शताब्दी का संदर्भ, इसलिए यह यहीं पर दिनांकित है।

फिर, इस स्टैंड में प्रतिमा विज्ञान का गहन अध्ययन किया गया है। यह संभवतः प्रकृति में समन्वयवादी है। आपको दो शेरों वाली एक महिला मिली है, शेर महिला, और ये, फिर से, कनानी रूपांकनों, कनानी धर्म के रूपांकनों हैं।

हाल ही में, यवने में कोल्ट स्टैंड पाए गए हैं, जिनके बारे में हम बाद में बात करेंगे। लेकिन यह अब तक की सबसे अलंकृत और विस्तृत खोज है। हमने पहले बात की थी, जब हमने अशूरियों के बारे में, करकर की लड़ाई के महत्व के बारे में बात की थी, और यह, फिर से, विभाजित राजशाही के दौरान एक महत्वपूर्ण घटना थी।

यहूदा और इस्राएल का युद्ध हुआ। इज़राइल, जाहिरा तौर पर, लेवेंटाइन राज्यों के इस गठबंधन की अग्रणी स्थिति में था जो उत्तरी सीरिया में असीरिया के खिलाफ लड़ रहा था। यह इज़राइल के पिछवाड़े में नहीं लड़ा गया था।

शल्मनेसर III से लड़ने के लिए उन्हें करकर के तट तक काफ़ी दूर तक यात्रा करनी पड़ी। और जाहिर तौर पर, यह या तो एक खूनी ड्रा था या वे सफल रहे। विडंबना यह है कि फर्स्ट किंग्स ने इसका उल्लेख तक नहीं किया है।

यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना है। वैसे, करकर की लड़ाई पहली घटना है जिसे हम पूर्ण डेटिंग में देख सकते हैं। लेकिन यह क्या कहता है, फर्स्ट किंग्स 22.1? अराम और इज़राइल के बीच तीन साल की शांति।

ऐसा क्यों? यह स्पष्ट नहीं करता। तीन साल की शांति एक आम दुश्मन से निपटने के लिए थी, और वह असीरिया था। और यह, निःसंदेह, किर्क स्टेल है, जो युद्ध का असीरियन विवरण है, जो निःसंदेह, उनके विचार में, एक जबरदस्त सफलता थी।

मुझे लगता है कि इसी प्रकार का प्रचार आज भी जारी है। जब प्रथम खाड़ी युद्ध में सद्दाम हुसैन की हार हुई तो उन्होंने क्या कहा? उन्होंने विजय की घोषणा की। आपकी कभी हार नहीं होती।

आप सदैव विजयी हों। और यह बाइबिल काल के दौरान विशिष्ट शाही प्रचार है, बाइबिल पाठ को छोड़कर, जो बहुत ही शांत है और बताता है कि यह वास्तव में कैसा था। बाद में, अहाब युद्ध में मारा गया।

यह एक बहुत ही मार्मिक पाठ है जहाँ एक भविष्यवक्ता उससे कहता है कि तुम मर जाओगे। इसलिये अहाब और यहोशापात और उनके रथ और उनकी सेनाएं गिलाद के अराबा में चढ़ गईं, और सुदूर गिलाद में अरामियों से लड़ने लगीं, और अहाब मर गया। वह एक वीरतापूर्ण मृत्यु मरता है, अपने रथ के साथ रहता है, लेकिन मर जाता है।

जहाँ तक हम जानते हैं, दूरस्थ गिलियड की साइट टेल एर रुमेथ है। इसकी खुदाई 1960 के दशक में पॉल लैप द्वारा की गई थी। इसे अब दोबारा बनाया जा रहा है, जो दुखद है।

साइट पर आधुनिक इमारतों का निर्माण किया जा रहा है क्योंकि जॉर्डन इरबिड के आसपास विस्तार करना और शहरीकरण, शहरी फैलाव का विस्तार करना जारी रखता है। लेकिन यह एक छोटा किला था। और आप रुमीथ के खंडहरों से फिर से देख सकते हैं, यहाँ का एक खूबसूरत मैदान, जो रथ युद्ध के लिए आदर्श है।

यह अहाब के घायल होने और अंततः मृत्यु का स्थल है। एलिय्याह और एलीशा, फिर से प्रसिद्ध, एलिय्याह और कार्मेल पर्वत पर बाल के भविष्यवक्ता, और निश्चित रूप से नाबोथ की दाख की बारी, यहाँ का यह शराब का कोठा, इस उथल-पुथल भरे समय के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता थे, जहाँ बहुत कम लोग थे जो अभी भी वफादारी और भक्ति बनाए रखते थे और प्रभु में विश्वास। उत्तरी साम्राज्य में बहुत कम लंबे समय तक चलने वाले राजवंश थे, ओमराइड्स, जेहस, लेकिन यह ज्यादातर महल की साजिश और तख्तापलट और तख्तापलट था।

तो, यह अस्थिर था। सामरिया में सत्ता, सत्ता की स्थिति अस्थिर थी। अंतिम राजा नष्ट हो गया, और सामरिया अंततः 722 में एक लंबी घेराबंदी के बाद गिर गया।

सर्गोन द्वितीय, शल्मनेसर वी के तहत असीरियन, इस समय असीरियन राजाओं में परिवर्तन हुआ, सभी लोगों को उत्तरी सीरिया में निर्वासित कर दिया गया। और यह दस खोई हुई जनजातियों की कथा की शुरुआत थी। और यह समझना महत्वपूर्ण है कि ये दस खोई हुई जनजातियाँ कभी नहीं खोई थीं।

हम जानते हैं कि वे कहाँ गए. वे उत्तरी सीरिया गये। और हम जानते हैं कि उनके साथ क्या हुआ.

वे बस असीरियन संस्कृति में आत्मसात हो गए। बहुत कम लोग प्रभु के प्रति वफादार थे। उन्होंने अपनी धार्मिक या राष्ट्रीय पहचान कायम नहीं रखी।

उन्होंने बस आत्मसात कर लिया. और विडंबना यह है कि आज आपके बहुत से असीरियन और इराकियों में इजरायली खून है, क्योंकि उन इजरायलियों ने अंतर्जातीय विवाह किया, घर बसा लिया, असीरियन भाषा सीखी और अपनी पहचान खो दी। और कुछ पीढ़ियों तक, वे केवल उत्तरी सीरिया में रहने वाले असीरियन विषय थे।

तो, दस खोई हुई जनजातियाँ ब्रिटिश नहीं हैं। वे पृथ्वी पर कहीं और नहीं हैं. वे बस इस्राएलियों को असीरियन संस्कृति में आत्मसात कर रहे थे।

यह ऊपरी दाहिनी ओर एक कलाकार द्वारा सामरिया के पतन का चित्रण है। और हम इस बारे में तब बात करेंगे जब हम शल्मनेसर III के ब्लैक ओबिलिस्क के बारे में बात करेंगे जो ओम्री के बेटे जेहू से श्रद्धांजलि स्वीकार कर रहा है। गलत.

येहू ओम्री का पुत्र नहीं था। उसने एक नये राजवंश की शुरुआत की। परन्तु असीरियन यह नहीं जानते थे।

उनके पास पुरानी बुद्धि थी. तो उन्होंने सोचा कि वह ओमराइड्स में से एक था । यह 841 ईसा पूर्व का है, जो समकालीन राहत में किसी इज़राइली राजा का पहला चित्रण है।

इस बीच, यहूदा की अपनी समस्याएँ थीं। यहोशापात 9वीं सदी का एक प्रमुख राजा था। फिर, वह अहाब के साथ मित्रता करेगा और दूरस्थ गिलियड में अहाब के साथ लड़ेगा।

लेकिन जब 841 ईसा पूर्व में ओमराइड राजवंश का पतन हुआ, तो पूरे दक्षिणी लेवंत में सत्ता में उथल-पुथल मच गई। ट्रांसजॉर्डनियन संस्थाओं या एदोम, मोआब और अम्मान की राजनीति ने ट्रांसजॉर्डन पर इजरायली नियंत्रण को कमजोर होते देखा, इसलिए उन्होंने विद्रोह कर दिया, विशेष रूप से मेशा ने। वे इकट्ठे होकर लिसान को पार करके एनगेदी तक गए, और यहूदा पर आक्रमण करने वाले थे।

उनके पास एक विशाल सेना थी. यहोशापात ने यहोवा से प्रार्थना की, और यहोवा ने उसे सेना और अपने दल के साथ बाहर जाने के लिए कहा। और यहोवा इस सेना की देखभाल करेगा, और उसने किया।

उन्होंने एक-दूसरे पर आक्रमण किया और एक-दूसरे को नष्ट कर दिया, और यहूदा की सेना को सारा माल लूटना पड़ा। 2 इतिहास 20 में एक अविश्वसनीय विवरण है, और हम कुछ ही मिनटों में उसकी कुछ तस्वीरें देखेंगे। मेशा स्टेला।

फिर, हमारे संग्रहालय में इसकी एक सुंदर प्रति है, जिसके बारे में हम बात करेंगे। फिर से, मोआब के राजा मेशा द्वारा बनवाया गया, जो शायद यहोशापात के खिलाफ इस गठबंधन में था। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्मारक था।

शाही शिलालेख जॉर्डन के डाबन में पाया गया, और दुर्भाग्य से बाद में बेडौइन द्वारा नष्ट कर दिया गया। लेकिन इसे फिर से बनाया जा सका, और पाठ को पुनर्स्थापित किया गया क्योंकि इसे देखने वाले आगंतुकों में से एक ने एक निचोड़ बनाया, और उन्होंने कुछ टुकड़े एकत्र किए, और उन दोनों के बीच पाठ को फिर से बनाने में सक्षम हुए। यह आज तक पुराने नियम के सबसे अधिक ध्यान से अध्ययन किए गए प्राचीन ग्रंथों में से एक है, क्योंकि इसमें 9वीं शताब्दी ईसा पूर्व में इज़राइल, यहूदा और ट्रांसजॉर्डन के बीच भूराजनीतिक माहौल के बारे में बहुत सारी जानकारी है।

ठीक है, हम यहां एन गेडी को देखते हैं। यहीं पर तीनों सेनाओं ने यहूदा पर चढ़ना और हमला करना शुरू किया। एन गेदी के ऊपर ज़िज़ की चढ़ाई, और फिर बेथलेहम के पूर्व में शीर्ष पर तकोआ का रेगिस्तान, और फिर निश्चित रूप से बराका की घाटी, जहां इस्राएलियों ने इस तथ्य का जश्न मनाया कि इन तीन सेनाओं ने खुद को मार डाला था, और प्रभु ने बचाया था यहूदा और यरूशलेम पुनः शत्रुओं से।

जिन चीजों के बारे में हमने बहुत अधिक बात नहीं की है उनमें से एक संभावित जालसाजी, संभावित नकली पुरावशेष हैं जो बाजार में हैं, और यह पिछले 20-30 वर्षों में लगभग एक महामारी की तरह है। सबसे प्रसिद्ध में से एक जोआश स्टेला है, जो फिर से आंशिक रूप से पूर्ण स्टेला है। शीर्ष टूट गया है।

यहां भी दरार पड़ गई। यहां सुंदर हिब्रू लिपि है, और यह यहूदा के राजा योआश द्वारा मंदिर की मरम्मत का वर्णन करती है। अब, अधिकांश विद्वान इसे जालसाजी के रूप में देखते हैं।

कुछ लोग तर्क देते हैं कि यह वास्तविक था। मुख्य समस्या, फिर से, इसका अप्रमाणित होना है। कोई नहीं जानता कि यह कहां से आया।

कोई नहीं जानता कि यह कहां पाया गया। यह अभी-अभी पुरावशेषों के बाजार में दिखाई दिया है, और जो विद्वान दावा करते हैं कि यह जालसाजी है, वे अपनी राय में बहुत मजबूत हैं, और जो विद्वान मानते हैं कि यह वास्तविक हो सकता है, वे भी उतने ही दृढ़ हैं। तो, यह एक सतत समस्या है, और हम जितनी भी उच्च तकनीक प्राप्त करते हैं, यह निर्धारित करने का प्रयास करते हैं कि वह पेटिना असली है या नकली।

जालसाज़ या उस व्यवसाय से जुड़े लोग और भी अधिक चतुर हो जाते हैं, और इसलिए यह एक ऐसा मुद्दा है जो आज भी एक समस्या बना हुआ है। तो, इसके साथ, हम 8वीं शताब्दी की ओर मुड़ेंगे और विभिन्न पावरपॉइंट के साथ आगे बढ़ेंगे। धन्यवाद।

यह डॉ. जेफरी हडॉन और बाइबिल पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 18 है, विभाजित राजशाही का पुरातत्व।